2

0331CH02

चींटी

आनंदमयी कविता

हर पल चलती जाती चींटी,
श्रम का राग सुनाती चींटी।

कड़ी धूप हो या हो वर्षा,
दाना चुनकर लाती चींटी।

सचमुच कैसी कलाकार है,
घर को खूब सजाती चींटी।

छोटा तन, पर बड़े इरादे,
नहीं कभी घबराती चींटी।

नन्हे-नन्हे पैर बढ़ाकर,
पर्वत पर चढ़ जाती चींटी।

काम बड़े करके दिखलाती,
जहाँ कहीं अड़ जाती चींटी।

मेहनत ही पूजा है प्रभु की,
हमको यही सिखाती चींटी।

– प्रकाश मनु

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपने अपने आस-पास, घर और विद्यालय में कौन-कौन से जीव-जंतु देखे हैं?
2. आपने सबसे छोटा कौन-सा कीट देखा और कहाँ देखा है?
3. आपने चींटी के अतिरिक्त और कौन-कौन से श्रम करने वाले जीव देखे हैं?
4. नन्ही चींटी के बारे में अपना कोई अनुभव बताइए।

कविता से आगे

1. नीचे कुछ वस्तुओं के चित्र बने हैं। बताइए, चींटियाँ किसे खाना चाहेंगी? उस पर ☺ का चिह्न बनाइए—

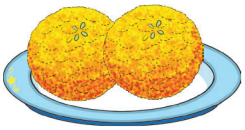
लड्डू

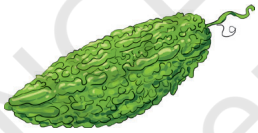
करेला

गेहूँ के दाने

चीनी

शहद

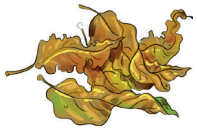
सूखी पत्तियाँ

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए—

(क) घर को .....

(ख) पर्वत पर .....

(ग) दाना चुनकर .....

(घ) श्रम का राग .....

© NCERT not to be republished

3. कविता के अनुसार चींटी हमको क्या-क्या करना सिखाती है? लिखकर बताइए—

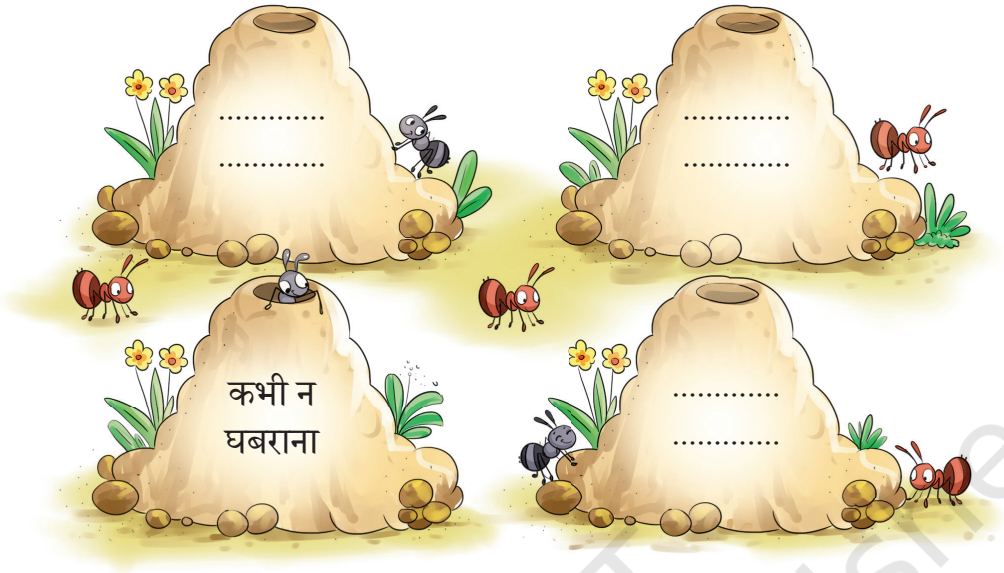

भाषा की बात

1. कविता में चींटी को क्या-क्या कहा गया है—

....कलाकार....	.....
.....	.....

2. कितनी बार आई चींटी?

'चींटी' कविता में 'चींटी' शब्द कितनी बार आया है? इन्हें गिनें और उतनी चींटियाँ बनाकर इस पंक्ति को पूरा करें—

© NCERT not to be republished

3. आइए, 'चींटी' कविता को आगे बढ़ाते हैं—

चीनी का दाना दिख जाए

उसको लेने जाती चींटी

.....

.....

.....

.....

4. शब्दों की तुकबंदी—

दाना	गाना	धूप	.....
कड़ी	.....	राग	.....

चींटी से भेंट

आपके घर के कई कोनों में चींटी आती-जाती है। एक दिन वह आपको रोककर आपसे कुछ कहती है। आपके और उसके बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी, लिखिए—

आप – नमस्ते चींटी! आज आप अकेली आई हैं?

चींटी – .....

आप – .....

चींटी – .....

© NCERT not to be republished

चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई

चींटी और हाथी छुपन-छुपाई खेल रहे हैं। चींटी को एकदम पता चल जाता है कि हाथी कहाँ छुपा है। हाथी का शरीर बड़ा है न!

जब चींटी एक मंदिर के भीतर छिपती है तो हाथी भी उसे एकदम ढूँढ़ लेता है। बताइए, हाथी को कैसे पता चला कि चींटी मंदिर में छिपी है?

© NCERT not to be republished